

Shri T.V. Mohandas Pai

Shri T.V. Mohandas Pai is the Chairperson of Manipal Global Education Services Private Limited. Recently, he has co-founded AARIN Capital to fund Technology, Ecommerce, Health Care and Life Science companies.

2. Born on November 05, 1958, Shri Pai obtained bachelor's degree in commerce from St. Joseph's College of Commerce, Bangalore, and a bachelor's degree in law (LLB) from Bangalore University. He is a Fellow Member of the Institute of Chartered Accountants of India. During his tenure at Infosys Limited as Chief Financial Officer (CFO) between 1994 and 2006, and as Member of the Board from 2000 to 2011, Shri Pai contributed to the transformation of the company into one of the world's most respected and recognizable software services companies, a powerful emblem of the resurgent post-1991 India. At Infosys, Shri Pai led the first listing of an India-registered company on the NASDAQ and the first sponsored secondary offering of American Depositary Shares by an Indian company. Shri Pai created and successfully instituted India's first Employee Stock Option Plan (ESOP) that enabled employees across the company to share in the wealth creation by the company. In 2011, he voluntarily relinquished his roles in the company to pursue his other long-standing passions in education and human development.

3. As a Trustee of the International Financial Reporting Standards (IFRS) Foundation, the body that oversees the International Accounting Standards Board (IASB), Shri Pai was a leader in making the idea of compliance to global accounting standards a reality. He has served on the board of SEBI in India. He is now the Chair of the Primary Markets Committee. Shri Pai was a Member of the Kelkar Committee, constituted by the Ministry of Finance, Government of India, to reform direct tax regulations. He was also a Member of the Non-Resident Taxation Committee, the High Powered Committee on e-Commerce and Taxation, and the Empowered Committee for setting up the Country's Tax Information Network. He was the Chair of Dhrishti Committee for the CBEC (Driving Information Systems for Holistic Tax Initiatives).

4. In 2000, Shri Pai co-founded the Akshaya Patra Foundation, a mid-day meal program for school going children. Today, the program feeds over 1.3 million children daily in 11000 Government schools in 23 locations across 10 Indian States and is the largest in the world. He was a Member of the Dr. Anil Kakodkar Committee on Autonomy for the NTs and the Karnataka Knowledge Commission. He is presently on the Boards of NT Hyderabad and the Institute of Public Enterprise (IPE), Hyderabad. Shri Pai helped found the Archive of Indian Music to create a world-class archive of classical and historic Indian music and voice recordings using best-in-class technological preservation modalities. He is also a founder of the Bangalore Political Action Committee, a platform for citizens to engage with their city's political leaders to improve democratic processes and promote civil society's engagement. He continues to personally support and contribute to numerous causes in sports and athletics, primary education, skill building programs, literature and culture, and scholarship programs.

5. Shri Pai has received multiple awards in Finance & Accounting including 'CFO of the Year' in 2001 by IMA India the very first year that the award was instituted; 'Best CFO in India' award from Finance Asia in 2002, and 'Best Chief Financial Officer in India' by Asia Money in 2004 and many others. The public and private sectors have presented him with numerous awards for Corporate Governance and building institutional support for forward-thinking leadership. He was honoured with the Kannada Rajyotsava Award for his exemplary public service in 2008.



श्री टी वी मोहनदास पै

श्री टी वी मोहनदास पै, मणिपाल ग्लोबल एडुकेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष हैं। हाल में आपने प्रौद्योगिकी, ई-वाणिज्य, स्वास्थ्य देखभाल और जैविक विज्ञान कंपनियों के वित्त-पोषण के लिए आरिन कैपिटल की सह-स्थापना की है।

2. आपका जन्म नवम्बर 05, 1958 को हुआ। आपने सेंट जोसफ्स कॉलिज ऑव कॉमर्स, बंगलोर से वाणिज्य में स्नातक तथा बंगलोर विश्वविद्यालय से विधि में स्नातक (एलएलबी) की डिग्रियां प्राप्त कीं। आप इंस्टीट्यूट ऑव चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑव इंडिया के फैलो सदस्य हैं। वर्ष 1994 से 2006 के दौरान इंफोसिस लिमिटेड में मुख्य वित्त अधिकारी के पद पर और वर्ष 2000 से 2011 तक बोर्ड के सदस्य के तौर पर अपने कार्यकाल में आपने कंपनी को, वर्ष 1991 पश्चात् पुनरुत्थानशील भारत की एक सशक्त प्रतीक, विश्व की सर्वाधिक सम्मानित तथा जानी-पहचानी सॉफ्टवेयर सेवा कंपनियों में से एक बनाने में योगदान दिया। आपके नेतृत्व में भारत पंजीकृत किसी कंपनी की नैसडैक में पहली लिस्टिंग हुई तथा किसी भारतीय कंपनी द्वारा अमेरिकन डिपाजटरी शेयरों की पहली प्रायोजित सेकॅन्डॅरि ऑफरिंग दी गई। आपने भारत की पहली कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना का सफलतापूर्वक निर्माण किया, जिससे कंपनी के सभी कर्मचारी, कंपनी की संपत्ति के सृजन में साझेदार हो सकें। वर्ष 2011 में, शिक्षा तथा मानव-विकास के क्षेत्रों में लंबे समय से लंबित पड़ी अपनी योजनाओं को मूर्त रूप देने के लिए आपने कंपनी के सभी पदों का स्वेच्छा से त्याग कर दिया।

3. इंटरनेशनल अकाउंटिंग स्टैन्डर्स बोर्ड (आईएएसबी) की निगरानी करने वाले निकाय इंटरनेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग स्टैन्डर्स (आईएफआरएस) फाउंडेशन के न्यासी के रूप में आपने वैश्विक लेखाकरण मानकों के अनुपालन के सपने को साकार कर दिखाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। आप भारत में सेबी के बोर्ड में शामिल रहे हैं। सम्प्रति, आप प्राइमरी मार्केट्स कमेटी के अध्यक्ष पद पर आसीन हैं। आप वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रत्यक्ष कर विनियमों में सुधार लाने के लिए गठित की गई केलकर समिति के सदस्य भी रहे हैं। आप अनिवासी कराधान समिति, ई-वाणिज्य और कराधान संबंधी उच्चाधिकारप्राप्त समिति तथा देश के कर सूचना नेटवर्क की स्थापना से संबंधित अधिकारप्राप्त समिति के भी सदस्य रहे हैं। आप सीबीईसी की दृष्टि समिति (ड्राइविंग सिस्ट्म फॉर होलिस्टिक टैक्स इंनिशिएटिव) के अध्यक्ष रहे।

4. वर्ष 2000 में आपने स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन से संबंधित एक कार्यक्रम अक्षय पात्र फाउंडेशन की सह-स्थापना की। आज इस कार्यक्रम से भारत के 10 राज्यों के 23 स्थानों पर 11000 सरकारी स्कूलों में 1.3 मिलयन से अधिक बच्चों को प्रतिदिन भोजन मिल पाता है और यह अपने किस्म की विश्व की सबसे बड़ी योजना है। आप एनटी तथा कर्नाटक ज्ञान आयोग की स्वायत्तता से संबंधित डॉ. अनिल काकोडकर समिति के सदस्य रहे हैं। सम्प्रति आप एन टी हैदराबाद और सार्वजनिक उद्यम संस्थान (आईपीई) के बोर्डों में शामिल हैं। आपने संरक्षण संबंधित सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी क्रियाविधियों के उपयोग द्वारा शास्त्रीय एवं ऐतिहासिक भारतीय संगीत तथा आवाज़ की रिकार्डिंग्स का विश्व-स्तरीय पुरालेख तैयार करके भारतीय संगीत अभिलेखागार की स्थापना में सहायता की है। आप बंगलौर राजनैतिक कार्य समिति के भी संस्थापक हैं, जो प्रजातांत्रिक प्रक्रियाओं में सुधार लाने तथा सिविल सोसायटी की भागीदारी बढ़ाने में शहर के राजनैतिक नेताओं से पारस्परिक बात-चीत करने के लिए शहर के नागरिकों को एक मंच उपलब्ध कराता है। आप व्यक्तिगत तौर पर खेल-कूद और एथलेटिक्स, प्राथमिक शिक्षा, कौशल-निर्माण के कार्यक्रमों, साहित्य और संस्कृति तथा छात्रवृत्ति संबंधी कार्यक्रमों में गहरी रूचि लेते हैं तथा उनमें योगदान करते हैं।

5. आपको वित्त और लेखाकरण के क्षेत्र में अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें आई एम ए इंडिया द्वारा सर्वप्रथम वर्ष 2001 में 'सीएफओ ऑव दि ईयर' पुरस्कार, वर्ष 2002 में फाइनेंस एशिया से 'भारत के सर्वश्रेष्ठ सी एफ ओ', वर्ष 2004 में एशिया मनी द्वारा 'भारत का सर्वश्रेष्ठ मुख्य वित्त अधिकारी' और कई अन्य पुरस्कार शामिल हैं। सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र में आपको कारपोरेट शासन तथा भविष्योन्मुखी नेतृत्व के लिए संस्थागत सहायता निर्माण करने हेतु अनेकानेक पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। वर्ष 2008 में आपको अनुकरणीय लोक सेवा के लिए कन्नड़ राज्योत्सव अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।